

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II--वावा 3--उप-वावा (ii) PART II -Section 3--Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

₩ 353] नई दिल्ली, सोमबार, सितम्बर 3, 1979/माद्र 12, 1901 No. 353] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 3, 1979/BHADRA 12, 1901

इस भाग में भिन्न पुष्ट संख्या वृति जाती हैं जिससे कि पह अलग संकलन के रूप में

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उनुषांग मंत्रालय

(ऑश्रोरिंगक विकास विभाग)

आवृश

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1979

का. आ. 504 (अ). - उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक इवारा प्रदुत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतजुज्जारा उद्योग मंत्रालय (अद्योगिक विकास विभाग) में भारत सरकार के आवृश सं. का. आ. 731(अ) दिनांक 19 अक्तूबर, 1977 में निम्निलिखित संशोधन करती हैं, अर्थात् :--

उक्त आवेश की क्रंम सं. 3 तथा उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नीलिखत कम संख्या तथा प्रविष्टियों रखी जाएंगी, अर्थात :--

'3. श्री के. मारगा बन्धू, मुख्य प्रबन्धक, (वाणिज्यक प्रभाग), भारतीय स्टीट वींक, मुख्य शास्त्रा, कलकरता ।"

> [फा. सं. 3/7/76-सी. थू. सी.] क. राव, संबुक्त सीवव

MINISTRY OF INDUSTRY (Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 3rd September, 1979

S.O. 504(E).—In exercise of the powers conferred by Section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendment in the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 731(E) dated the 19th October, 1977, namely:—

In the said Order, for serial No. 3 and the entries relating thereto, following serial number and entries shall be substituted, namely:—

"3. Shri Marga Banthu, Chief Manager (Commercial Division), State Bank of India (Main Branch), Calcutta."

> [File No. 3/7/76-CUC.] B. ROY, Jt. Secy.